

ושבתם וראיתם בין צדיק לרשע בין עובד אלהים לאשר לא עבדו (מלאכי ג')

- מסכת בכורות -  
לוח לסימון מאה ואחת חזרות

|  |    |
|--|----|
|  | א  |
|  | ב  |
|  | ג  |
|  | ד  |
|  | ה  |
|  | ו  |
|  | ז  |
|  | ח  |
|  | ט  |
|  | י  |
|  | יא |
|  | יב |
|  | יג |
|  | יד |
|  | טו |
|  | טז |
|  | יז |
|  | יח |
|  | יט |
|  | כ  |
|  | כא |
|  | כב |
|  | כג |
|  | כד |
|  | כה |
|  | כו |
|  | כז |
|  | כח |
|  | כט |
|  | ל  |
|  | לא |
|  | לב |
|  | לג |
|  | לד |
|  | לה |
|  | לו |
|  | לז |
|  | לח |
|  | לט |
|  | מ  |
|  | מא |
|  | מב |
|  | מג |
|  | מד |
|  | מה |
|  | מו |
|  | מז |
|  | מח |
|  | מט |
|  | נ  |
|  | נא |
|  | נב |
|  | נג |
|  | נד |
|  | נה |
|  | נו |
|  | נז |
|  | נח |
|  | נט |
|  | ס  |
|  | סא |

תרוייהו צדיקי גמורי נינהו, ואינו דומה שונה פרקו מאה פעמים, לשונה פרקו מאה ואחת

(תניינה ט:)

